'साहिबजादों ने धर्म की रक्षा को दिया निस्वार्थ बलिदान'

खानपुर कलां के बीपीएस महिला विवि में वीर बाल दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित व्याख्यान कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षिकाएं एवं छात्राएं ● सौ. सुधी पाठक

जागरण संवाददाता, गोहाना: गांव खानपुर कलां स्थित भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय में छात्र कल्याण अधिष्ठाता कार्यालय के सौजन्य से कन्या गुरुकुल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में वीर बाल दिवस के उपलक्ष्य में एक व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश ने बताया कि कार्यक्रम में छात्राओं को गुरु गोबिंद सिंह के साहिबजादों के साहस और धर्म की रक्षा के लिए उनके निस्वार्थ बलिदान के बारे में जानकारी दी गई। मुख्य वक्ता, आइएचएल की एसोसिएट प्रोफेसर डा. परविंदर कौर ने बताया कि वर्ष 1705 में धर्म व देश के लिए अपना जीवन बलिदान देने वाले साहिबजादों की याद में वीर बाल दिवस मनाया जाता है।

गुरु गोबिंद सिंह के साहिबजादों के बारे में बताया

गोहाना | खानपुर कलां गांव में स्थित बीपीएस महिला विवि के कन्या गुरूकुल वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल में गुरूवार को वीर बाल दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में कुलपति प्रो. सुदेश ने छात्राओं को गुरु गोबिंद सिंह के साहिबजादों के साहस और धर्म की रक्षा के लिए उनके निस्वार्थ बलिदान के बारे में जानकारी दी। मुख्य वक्ता आईएचएल की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. परविंदर कौर ने बताया कि वर्ष 1705 में धर्म व देश के लिए अपना जीवन बलिदान देने वाले साहिबजादों की याद में वीर बाल दिवस मनाया जाता है। उनका बलिदान हमें सत्य, साहस और कर्तव्य निष्ठा के मार्ग पर चलते हुए सभी चुनौतियों का सामना करना सिखाता है।

वीर बाल दिवस पर व्याख्यान आयोजित

गोहाना। गांव खानपुर कलां स्थित भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के कन्या गुरुकुल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में वीर बाल दिवस पर व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें बतौर मुख्य अतिथि महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश ने शिरकत की। मुख्य वक्ता के रूप में एसोसिएट प्रो. डॉ. परविंदर कौर ने भाग लिया। कुलपति प्रो. सुदेश ने कार्यक्रम में छात्राओं को गुरु गोबिंद सिंह के साहिबजादों के साहस और धर्म की रक्षा के लिए उनके निस्वार्थ बलिदान के बारे में जानकारी दी। डॉ. परविंदर कौर ने बताया कि वर्ष 1705 में धर्म व देश के लिए अपना जीवन बलिदान देने वाले साहिबजादों की याद में वीर बाल दिवस मनाया जाता है। उनका बलिदान हमें सत्य, साहस और कर्तव्य निष्ठा के मार्ग पर चलते हुए सभी चुनौतियों का सामना करना सिखाता है।

'वीर बाल दिवस' के उपलक्ष्य में व्याख्यान का आयोजन

गोहाना, 26 दिसम्बर (रामनिवास धीमान): उपमंडल के गांव खानपुर कलां स्थित भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय में छात्र कल्याण अधिष्ठाता कार्यालय के सौजन्य से कन्या गुरुकुल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में वीर बाल दिवस के उपलक्ष्य में एक व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन कन्या गुरुकुल की प्राचार्या सुमिता सिंह की अध्यक्षता में किया जिसमें महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि इस कार्यक्रम के माध्यम से छात्राओं को गुरु गोबिंद सिंह जी के साहिबजादों के अदम्य साहस और धर्म की रक्षा के लिए उनके नि:स्वार्थ बलिदान के बारे में जानकारी मिलेगी। उन्होंने कहा कि इन बालवीरों की गाथा न केवल सिख इतिहास बल्कि पूरे विश्व के लिए प्रेरणास्रोत है। बतौर मुख्य वक्ता, आई.एच.एल. की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. परविन्दर कौर ने छात्राओं को बताया कि वर्ष 1705 में धर्म व देश के लिए अपना जीवन बलिदान देने वाले साहिबजादों की याद में वीर बाल दिवस मनाया जाता है।

अजीत समाचार
उत्तर भारत का सम्पूर्ण अखबार
27-Dec-2024
Page: 9
http://www.ajitsamachar.com/20241227/27/9/1_1.cms

हरिभूमि
epaper.haribhoomi.com
Rohtak Sonipat 27.12.2024 - 27 Dec 2024 - Page

बालवीरों की गाथा पूरे विश्व के लिए प्रेरणास्रोत

गोहाना। भगत फूल सिंह महिला विवि में छात्र कल्याण अधिष्ठाता कार्यालय के सौजन्य से कन्या गुरुकुल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में वीर बाल दिवस के उपलक्ष्य में एक व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। महिला विवि की कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि इस कार्यक्रम के माध्यम से छात्राओं को गुरु गोबिंद सिंह जी के साहिबजादों के अदम्य साहस और धर्म की रक्षा के लिए उनके निःस्वार्थ बलिदान के बारे में जानकारी मिलेगी। इन बालवीरों की गाथा न केवल सिख इतिहास बल्कि पूरे विश्व के लिए प्रेरणास्रोत है। बतौर मुख्य वक्ता, आईएचएल की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. परविन्दर कौर ने कहा कि बलिदान हमें सत्य, साहस और कर्तव्य निष्ठा के मार्ग पर चलते हुए सभी चुनौतियों का सामना करना सिखाता है। तत्कालीन मुगल शासकों ने इस्लाम स्वीकार न करने के कारण साहिबजादा जोरावर सिंह और फतेह सिंह को 26 दिसंबर 1705 को फांसी दे कर शहीद कर दिया था। कार्यक्रम की अध्यक्षता कन्या गुरुकुल की प्रावार्या सुमिता सिंह ने की। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म की रक्षा में गुरु गोबिंद सिंह का अतुलनीय योगदान है।

साहिबजादों के अदम्य साहस की गाथा प्रेरणास्रोतः कुलपति

चुनौतियों का सामना करना सिखाता है साहिबजादों का बलिदान : डॉ. परविन्दर कौर

खानपुर कलां, चेतना संवाददाता। 'वीर बाल दिवस' के उपलक्ष्य में भगत फूल सिंह महिला विवि में छात्र कल्याण अधिष्ठाता कार्यालय के सौजन्य से कन्या गुरुकुल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में एक व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कुलपति प्रो. सुदेश ने अपने संदेश में इस आयोजन के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इस कार्यक्रम के माध्यम से छात्राओं को गुरु गोबिंद सिंह जी के साहिबजादों के अदम्य साहस और धर्म की रक्षा के लिए उनके निःस्वार्थ बलिदान के बारे में जानकारी मिलेगी। उन्होंने कहा कि इन बाल वीरों की गाथा न केवल सिख इतिहास बल्कि पूरे विश्व के लिए प्रेरणास्रोत है। बतौर मुख्य वक्ता, आईएचएल की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. परविन्दर कौर ने बताया कि वर्ष 1705 में धर्म व देश के

लिए अपना जीवन बलिदान देने वाले साहिबजादों की याद में वीर बाल दिवस मनाया जाता है। उन्होंने साहिबजादों की जीवन यात्रा और उनके अद्वितीय बलिदान से अवगत कराते हुए कहा कि उनका बलिदान हमें सत्य, साहस और कर्तव्य निष्ठा के मार्ग पर चलते हुए सभी चुनौतियों का सामना करना सिखाता है। तत्कालीन मुगल शासकों ने इस्लाम स्वीकार न करने के कारण साहिबजादा जोरावर सिंह और फतेह सिंह को 26 दिसंबर 1705 को फांसी दे कर शहीद कर दिया था।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कन्या गुरुकुल की प्राचार्या सुमिता सिंह ने बताया कि सनातन धर्म की रक्षा में गुरु गोबिंद सिंह जी का अतुलनीय योगदान है। उन्होंने महान क्रांतिकारी ऊधम सिंह के जन्मदिवस पर छात्राओं को उनकी बहादुरी से भी अवगत करवाया। इस दौरान छात्राओं ने भाषण, कविता एवं पोस्टर के माध्यम से शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम संचालन सुनीता शर्मा ने किया।

Play / Stop Audio

साहिबजादों के अदम्य साहस की गाथा पूरे विश्व के लिए प्रेरणास्रोतः कुलपति प्रो. सुदेश

जहरीले झाग से यमुना का बुरा हाल 10 साल, दिल्ली बेहाल! अब नहीं सहेंगे, बदल के रहेंगे

We are 600+ family strong
Yours could be next
HAMPTON HOMES
RERA NO : PBRERA-LDH44-PR0449

खानपुर कलां, गिरीश सैनी। 'वीर बाल दिवस' के उपलक्ष्य में भगत फूल सिंह महिला विवि में छात्र कल्याण अधिष्ठाता कार्यालय के सौजन्य से कन्या गुरुकुल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में एक व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

Skyscanner
India to Dubai
from India
from Rs17,050
Book

कुलपति प्रो. सुदेश ने अपने संदेश में इस आयोजन के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इस कार्यक्रम के माध्यम से छात्राओं को गुरु गोबिंद सिंह जी के साहिबजादों के अदम्य साहस और धर्म की रक्षा के लिए उनके निःस्वार्थ बलिदान के बारे में जानकारी मिलेगी। उन्होंने कहा कि इन बाल वीरों की गाथा न केवल सिख इतिहास बल्कि पूरे विश्व के लिए प्रेरणास्रोत है।

बतौर मुख्य वक्ता, आईएचएल की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. परविन्दर कौर ने बताया कि वर्ष 1705 में धर्म व देश के लिए अपना जीवन बलिदान देने वाले साहिबजादों की याद में वीर बाल दिवस मनाया जाता है। उन्होंने साहिबजादों की जीवन यात्रा और उनके अद्वितीय बलिदान से अवगत कराते हुए कहा कि उनका बलिदान हमें सत्य, साहस और कर्तव्य निष्ठा के मार्ग पर चलते हुए सभी चुनौतियों का सामना करना सिखाता है। तत्कालीन मुगल शासकों ने इस्लाम स्वीकार न करने के कारण साहिबजादा जोरावर सिंह और फतेह सिंह को 26 दिसंबर 1705 को फांसी दे कर शहीद कर दिया था।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कन्या गुरुकुल की प्राचार्या सुमिता सिंह ने बताया कि सनातन धर्म की रक्षा में गुरु गोबिंद सिंह जी का अतुलनीय योगदान है। उन्होंने महान क्रांतिकारी ऊधम सिंह के जन्मदिवस पर छात्राओं को उनकी बहादुरी से भी अवगत करवाया। इस दौरान छात्राओं ने भाषण, कविता एवं पोस्टर के माध्यम से शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम संचालन सुनीता शर्मा ने किया।

Tags: story of indomitable courage | Sahibzaads | inspiration for whole world

RELATED POSTS

'बाल वीर दिवस' पर जीजेयू में सेमिनार आयोजित

हर्षोल्लास से मनाया क्रिसमस का पर्व

बाल वीरों की शहादत मानवीय धर्म के प्रति अटूट आस्था का बेमिसाल...

COMMENTS

Name

Email

Comment

I'm not a robot

Post Comment

POPULAR POSTS

Weekly Posts

Results of Municipal Corporation Ludhiana

7th Amateur Golfers Society Golf Tournament held

Three Panjab University NSS Volunteers selected for Republic...

On India's Best Dancer Vs Super Dancer: Champions Ka Tashan,...

FOLLOW US

Facebook | X (Twitter) | Linkedin | Youtube | Email

RECOMMENDED POSTS

Opinion
BJP vs Cong over scuffle at Parliament: Former calls it...

Leadership tussle in INDIA bloc sparks political debate

Eating dark, but not milk, chocolate may cut diabetes risk:...

Both Kejriwal, Gandhiji went to jail for a cause: AAP leader...

Exposed after Biden pardons son, 'vulnerable' US justice...

Rahul Gandhi does not have faith in Constitution: Gourav...

CONTACT US

For Advertisement, News, Article, Advertorial, Feature etc please contact us: cityairnews@gmail.com

© 2020 Cityairnews - All Rights Reserved. Designed & Developed By: TechieFormation